www.mpboardonline.com

कक्षा 10वीं (अंग्रेजी माध्यम) अर्द्धवार्षिक परीक्षा विषय– हिन्दी

प्र.1 नीचे दिये गये प्रश्नों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1. विशाल भारत के छोर हैं।
   (1) दो (2) चार (3) पांच (4) तीन
2. माटी वाली रोटियाँ ले जाती थी।
   (1) अपने बुड्डे के लिये (2) गरीबों के लिये (3) अपने बच्चों के लिये (4) अपने लिये
3. डॉक्टर कटारिया हंसोड क्लब खोल चुके हैं।
   (1) 100 (2) 102 (3) 150 (4) 200
4. डॉ. प्रेम भारती की कृतियाँ में स्वर है।
   (1) समाजवादी (2) अध्यात्मवादी (3) व्यक्तिवादी (4) मानवतावादी
5. दुष्यंत कुमार की गज में है।
   (1) शांति स्वर (2) सद्भाव के स्वर (3) व्यवस्था के स्वर (4) क्रांति के स्वर

प्र.2 सही जोड़ी बनाइये।

आस्था के स्वर	–	डॉ. वासुदेव अग्रवाल
फूल ऑर काँटे	–	ऊषा वर्मा
तुम्हारी विरासत	–	डॉ. एन.ई. विश्वनाथ
कल्पवृक्ष	–	मीरा बाई
राम–सोरठा	–	दिवाकर वर्मा

प्र.3 एक शब्द में उत्तर दीजिए।

1. श्री राम के रूप सौंदर्य को देखकर कौन सब भूल गया था।
2. किसके फूल अलसित थे।
3. लेखक को कौन अन्न में, फूल में आहुति सा दिखाई देता है ?
4. आँगन में एक वृक्ष दुष्यंत कुमार का क्या है ?
5. नदी की धार में कौन सी हवा आती है ?

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

प्र.4 सत्य/असत्य बतलाइए।

1. भारत की नदियां अमृत की धारा बहाती है।
2. अपनी चीज का मोह बहुत अच्छा होता है।
3. वायुमंडल विषैला है।
4. आज दूरियां घट रही हैं।
5. आज आदमी अंगार बनता जा रहा है।

प्र.5 रिक्त स्थानों की पूति दिए गए विकल्पों में से करिए।

1. कन्याकुमारी की सागर तरंगे मंद हास से हमें ..... करती है। (अमित/चकित)
2. महाभारत काल से ही कश्मीर शासकों की ..... मिलती है। (गाथायें/कथायें)
3. ज्यादातर लोगों की आदत ही पड़ जाती है (बहाना बनाने की/टाल मटोल करने की)
4. धन से कहीं अधिक अह्म ..... चीज है। (बुद्धि/समय)
5. शास्त्रों ने तो यम और इन्दू को ही ..... माना है। (राजा/शासक)

प्र.6 (अ) पृथ्वी और नारी को क्षमा शील क्यों कहा गया है?

(ब) प्रकृति को पूजनीय रूप में देखना जरूरी क्यों है?

प्र.7 कश्मीर के बारे में पौराणिक और ऐतिहासिक कौन सी बातें कहीं गई है?

प्र.8 टिहरी गाँव से माटी वाली कारहना जरूरी क्यों था?

प्र.9 सुबह जल्दी उठने से क्या लाभ होता है?

अथवा

(अ) हास्य से कौन सा हार्मोन्स साबित होता है?

(ब) डॉ. कटारिया ने कितने प्रकार के हास्य व्यायाम ईजाद किये हैं?

प्र.10 कवि को दुख में आशा ही किरण कहाँ–कहाँ दिखाई दे रही है?

प्र.11 आदमी की पीर की तुलना कवि ने किस–किस से की है?

प्र.12 (अ) द्विजगण क्या सुनाते है और क्यों?

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

(ब) शबरी ने राम लक्ष्मण को खाने के लिये क्या दिये थे ?

प्र.13 जमाने के चलन को सुधारने के लिये कवि की युवाओं से क्या अपेक्षायें है ?

प्र.14 ''प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ?

प्र.15 गद्य की पाँच विधाओं के नाम लिखिए–

प्र.16 भक्तिकाल को कितने भागों में बांटा गया, उनके नाम लिखकर राम भक्ति एवं कृष्ण भक्ति के कवियों के देकर रचनायें लिखिए।

प्र.17 (अ) विलोम शब्द लिखिए।

अमावस्या, अमृत, प्रवेश, स्वीकृति

(ब) निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

बरखा, रीति, धरती, बांसुरी

प्र.18 (अ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

आदमी, सुबह, राह, हवा

(ब) मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर लिखिए।

प्र.19 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए–

''गोपाल कल आएगा''

(1) निषेधवाचक (2) प्रश्न वाचक (3) विस्मयादिवाचक (4) संदेह वाचक

प्र.20 (अ) निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों के वाक्यों में कीजिए।

(1) तितर–बितर होना

(2) उल्टे पांव लौटना

(3) गेंहूं के साथ घुन भी पिसता है

(4) खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे

(ब) संधि विच्छेद करिए।

हिमालय, दुर्गम, जगतगुरू, सज्जन

प्र.21 सरदार पूर्ण सिंह अथवा विद्या सागर नौटियाल का निम्न बिन्दुओं के आधार पर लेखक परिचय लिखिए।

भाषा शैली, रचनाएं, साहित्य में स्थान

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

प्र.22 दुष्यंत कुमार अथवा डॉ. प्रेमभारती का निम्न बिन्दुओं पर कवि परिचय लिखिए।
रचनाएं, भाव पक्ष, कला पक्ष, साहित्य में स्थान

प्र.23 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

और सत्य ही राम वहां पर, पता लगाते मुनिगण से।
शबरी की कुटिया तक आये, प्रेम रूप मधुवन से।।
स्वागत का सुविधान वहां था, स्वयं प्रकृति का उपमागार।
जड़ चेतन सब भूल गया था, देख प्रभू का रूप प्रसार।।

अथवा

इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है,
नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है।
एक चिनगारी कहीं से ढूंढ लाओ दोस्तो,
एक दिये में तेल से भीगी हुई बाती तो है।
एक खंडहर के हृदय सी एक जंगली फूल सी,
आदमी की पीर गूंगी ही सही गाती तो है।

प्र.24 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

प्रसन्नचित व्यक्ति को देखकर लोग प्रसन्न होते है, उसकी ओर आकर्षित होते हैं उसकी मैत्री प्राप्त करना चाहते हैं। प्रसन्नता एक आध्यात्मिक वृत्ति है एक 'देवी चेतना' है। इसका आश्रय ग्रहण करने वाले सारे शोक–संताप भाग जाते है। इसका आश्रय मन और प्रसन्नचित व्यक्ति के पास बैठकर लोग अपना दुख दर्द भूल जाते हैं सुख और संतोष का अनुभव करते हैं। मुदितात्मा व्यक्ति देवदूत होता है, संसार का कलुष दूर करने वाला होता है।

अथवा

आदमियों की तिजारत करना, मूर्खों का काम है। सोने और लोहे के बदले मनुष्य को बेचना मना है। आज कल माप की कलों का दाम तो हजारो रूपया है, परंतु मनुष्य

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

कौड़ी के सौ–सौ बिकते हैं सोने और चांदी की प्राप्ति से जीवन का आनंद नहीं मिल सकता। सच्चा आनंद तो मुझे मेरे काम से मिलता है। मुझे अपना काम मिल जाये तो फिर स्वर्ग प्राप्ति की इच्छा नहीं, मनुष्य पूजा ही सच्ची ईश्वर पूजा है।

प्र.25 यह सच है कि विज्ञान ने मानव के लिये भौतिक सुख का द्वार खोल दिया है किन्तु यह भी उतना ही सच है कि उसने मनुष्य में उसकी मनुष्यता छीन ली है। भौतिक सुखों के लोभ में मनुष्य यंत्र की भांति क्रियारत है उसकी मानवीय भावनाओं का लोप हो रहा है। और वह स्पर्धा के नाम पर ईर्ष्या और द्वेष से ग्रसित होकर स्वजनों का ही गला काट रहा है इसी का परिणाम है अशांति। मनुष्यता को दांव पर हारकर भौतिक सुख की ओर बढ़ना अशुभ है।

(क) उपर्युक्त गद्यखण्ड का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
(ख) इस गद्य खण्ड का सारांश लगभग 25 शब्दों में लिखिए।

प्र.26 रण बीच चौकड़ी भर–भर कर,
चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े का,
(पड़ गया हवा से पाला था)

गिरता न कभी चेतक तन पर,
राणा प्रताप का घोड़ा था।
(वह दौड़ रहा अरि मस्तक पर)
या आसमान पर घोड़ा था।

क. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिये।
ख. इस पद्यांश का भावार्थ लिखिये।
ग. कोषगंकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र.27 वार्षिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर बधाई पत्र अपने मित्र को लिखिये।

www.mpboardonline.com

www.mpboardonline.com

अथवा

शिक्षक पद हेतु एक आवेदन पत्र संचालक शिक्षा विभाग के नाम लिखिये।

प्र.28 किसी एक विषय पर निबंध लिखिये।

1. आधुनिक युग में कम्प्यूटर का महत्व
2. दहेज प्रथा
3. विद्यालय का वार्षिकोत्सव
4. विद्यार्थी और अनुशासन

www.mpboardonline.com